# जागरण सिटी



# दैनिक जागरण दिल्ली

चार राज्यों में विकास की जीत हुई है : विजेंद्र गुप्ता

www.jagran.com

निगम चुनाव में भी लगेगा भाजपा का चौका : हर्षवर्धन

**दैनिक जागरण कार्यालय**

**स्थानीय ब्यूरो**
प्यारे लाल भवन, बहादुरशाह जफर मार्ग, आइटीओ, दिल्ली

**प्रिय पाठकगण,**
आप एक जागरूक शहरी के रूप में दैनिक जागरण अखबार व अपने समाज की आंख व कान बन सकते हैं। अपने शहर की जिन समस्याओं, मुद्दों व बातों को जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं, हमें बताएं। हम समाचार पत्र के माध्यम से आपकी आवाज को उन लोगों तक ले जाएंगे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।
संपर्क करें: 9910731606
ईमेल: reporter@nda.jagran.com

अगर आपको अपना प्रिय समाचार पत्र दैनिक जागरण मिलने में कोई परेशानी हो रही है तो कृपया हमें जरूर बताएं।
9560798023

**जनमत**

**मुद्दा**

**क्या आप मानते हैं कि दिल्ली नगर निगम को तीन भागों में बांटे जाने से इसके उद्देश्य के अनुरूप लोगों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला?**

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर MUDDAD लिखें, स्पेस देकर YES या NO लिखकर 57272 पर भेजें।
muddad@jagran.com

गूगल लेंस से तस्वीर स्कैन करें और पढ़ें




**झुग्गियों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए मेरठ, मोदीनगर और मुरादनगर में पिछले लंबे समय से पाठशाला संचालित है। अब पिलखुवा में भी मोदीनगर रोड स्थित झुग्गियों में लक्ष्य पाठशाला की शुरुआत हो गई है।**

होली के त्योहार के लिए चीन से आने वाले उत्पाद में 60 से 70 प्रतिशत की आई कमी, खरीदार भी अब भारतीय उत्पादों की कर रहे हैं ज्यादा मांग

## चीन के उत्पादों का उड़ा रंग, देसी गुलाल व पिचकारी पहली पसंद

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली:** होली के त्योहार के लिए अब कुछ ही दिन बचे हैं। इससे लोग बाजारों में खरीदारी करने के लिए पहुंच रहे हैं। इससे बाजारों में रौनक बढ़ गई है। बाजार में खरीदारों की भीड़ देख दुकानदारों के चेहरे भी खिले दिखे। होली को लेकर इस बार बाजारों में भारतीय उत्पादों की मांग अधिक है। इससे चीनी उत्पादों के रंग उड़ गए हैं। खरीदार भी भारतीय उत्पादों की मांग अधिक कर रहे हैं।

बाजारों में जहां पहले चीन निर्मित रंग, पिचकारी का 60 से 70 फीसद कब्जा था, जो अब 30 फीसद पर सिमट गया है। दुकानदार इसके पीछे की वजह कोरोना काल में चीन के साथ हुए विवाद को मान रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार इतनी तेजी से मांग बढ़ेगी कि सोचा नहीं था। संक्रमण के डर से कम ही उत्पाद मंगवाया गया था। मांग को देखते हुए और सामान मंगवाया जा रहा है।

होली को लेकर बाजार पूरी तरह से सज चुके हैं। ऐसे में सदर बाजार में रंगों व पिचकारी की कई दुकानें लगी हुई हैं। दुकानदारों के मुताबिक इस वर्ष खरीदार भारतीय उत्पाद की मांग कर रहे हैं। वे कहते हैं कि भारतीय उत्पादों की बाजार में धूम है। भारत में बने उत्पाद चीन के माल के मुकाबले काफी सस्ते हैं। खरीदारों को देख दुकानदार भी भारतीय उत्पादों को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। सदर बाजार के दुकानदार आकाश ने बताया कि चीनी सामान पीछे से महंगा आ रहा है। इससे बाजार में चीनी सामान 30 प्रतिशत तक ही आया है। चीनी सामान महंगा होने के चलते लोग उसे पसंद नहीं कर रहे हैं। दीपावली की तरह होली में भी भारतीय सामान की मांग बढ़ गई है। इससे दुकानदार भी भारतीय उत्पाद पर अधिक जोर दे रहे हैं। दुकानदार हरि ने बताया कि दो वर्ष के दौरान तमाम उतार-चढ़ाव देखने के बाद भारतीय उत्पाद ही आर्डर किया था। वे कहते हैं कि लोग बाकायदा मेड इन इंडिया बोल कर सामानों को मांग रहे हैं।



सदर बाजार में होली को लेकर पिचकारी खरीदते लोग ● जागरण

**मुखौटे व कलर स्प्रे तक सिमटा चीनी बाजार**

बाजार में मुखौटे, कलर स्प्रे व गुब्बारे चीन निर्मित अधिक दिख रहे हैं। दुकानदारों ने कहा कि भारतीय उत्पादों का बाजार में पूरी तरह कब्जा होने में थोड़ा समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अभी बाजार में चीन से जैसे टोपी, मुखौटे, कलर स्प्रे, गुब्बारे ही आ रहे हैं। चीनी उत्पाद महंगा होने के चलते लोग भारत में बने उत्पाद की मांग कर रहे हैं। चीन का कलर स्प्रे महंगा तो है, लेकिन भारतीय उत्पाद से अच्छा है इसलिए लोग इसे पसंद कर रहे हैं। सदर बाजार रविवार को बंद रहता है, लेकिन होली को लेकर रविवार को यहां सभी दुकानें खुली हुई दिखीं। बाजार में खरीदारों की भीड़ उमड़ी रही है, जिससे बाजार खरीदारों से गुलजार दिखा।

### श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन 28 से

**जासं, दक्षिणी दिल्ली :** ईस्ट आफ कैलाश स्थित इस्कान मंदिर में 28 से 30 मार्च तक श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जाएगा। मानस पाठ संत मैथिलीशरण महाराज करेंगे। इसका उद्देश्य श्रीरामचरितमानस में लिखी अमृतवाणी को आम जन तक पहुंचाना है। साथ ही दैनिक जीवन में सफलता के इस बीज मंत्र को कैसे उतारा जाए, इस पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम शाम छह से रात आठ बजे तक होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन पुरुषोत्तम माहेश्वरी व इंदु माहेश्वरी की ओर से किया जा रहा है।

## निगम पार्षदों का बढ़ सकता है भत्ता

पहले भी कई बार हो चुकी है पार्षदों के लिए **वेतन व्यवस्था** लागू करने की मांग

निहाल सिंह ● नई दिल्ली

दिल्ली के तीनों नगर निगमों (उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी) की ओर से एकीकरण की बात सामने आने के बाद ऐसी चर्चा चल रही है कि निगम के एक्ट में संशोधन के साथ ही पार्षदों से लेकर महापौर तक का वेतन तय हो सकता है। हालांकि यह तो कानून में संशोधन के आने वाले प्रस्ताव से स्पष्ट होगा कि वेतन मिलेगा या फिर वर्तमान भत्ते में बढ़ोतरी होगी, लेकिन चर्चा से पूर्व महापौर से पार्षद भी इसका समर्थन कर रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसा होता है तो दिल्ली को ईमानदार और पारदर्शी व्यवस्था को लागू करने में इसका फायदा होगा।

दरअसल, दिल्ली के तीनों निगमों के पार्षदों को तीन सौ रुपये प्रति बैठक भत्ता मिलता है, जो अधिकतम एक माह में तीन हजार है।

यह भत्ता कम है, जिसको बढ़ाने की मांग होती रहती है। निगम की सदन और स्थायी समिति की बैठक में निजी प्रस्ताव भी इसके लिए पारित हो चुके हैं, लेकिन बिना निगम एक्ट में संशोधन के यह संभव नहीं है। चूंकि तीनों निगमों के एकीकरण की प्रक्रिया के दौरान निगम एक्ट में संशोधन होगा तो उस दौरान इसे भी करना आसान होगा। माना जा रहा है कि एक्ट आने वाले 25 वर्ष के अनुरूप दिल्ली के विकास में सहायक बनाने के लिए कई मामलों में संशोधन होंगे, जिसमें पार्षदों का वेतन स्थापित करने या भत्तों में बढ़ोतरी का भी हो सकता है।

हम किसी भी जनप्रतिनिधि से यह ईमानदारी की अपेक्षा तब कर सकते हैं जब उसके जीवनयापन के लिए न्यूनतम खर्च या तो वेतन के रूप में दें या भत्ता के रूप में। फिलहाल, 300 रुपये का भत्ता मिलता है, जो पर्याप्त नहीं है। इसके लिए या तो भत्ते में बढ़ोतरी की जाए, जिसमें कम से कम इतनी राशि हो कि वह प्रतिदिन 100 लोगों को चाय-पानी की व्यवस्था कर सके। **-जगदीश ममगांई,** पूर्व चेयरमैन, निर्माण समिति एकीकृत दिल्ली नगर निगम



मैं वर्ष 2015 में जब महापौर था सदन से प्रस्ताव पारित करा कर स्थानीय निकाय के निदेशक को भेजा था, लेकिन उस पर अब तक कुछ नहीं हुआ। पार्षदों की जवाबदेही तय करने के लिए या तो वेतन देना चाहिए या फिर भत्तों में वृद्धि की जाना चाहिए। एक कर्मी जो पार्षद कार्यालय को संभाल सके, उसको भी नियुक्त किया जाना चाहिए। **-योगेंद्र चांदोलिया,** पूर्व महापौर, उत्तरी निगम

**अभी पार्षदों को मिलती हैं ये सुविधाएं**
- पार्षदों को तीन सौ रुपये प्रति बैठक भत्ता मिलता है, जो अधिकतम 10 बैठक तक है।
- एक लैपटाप दिया जाता है, जो कार्यकाल खत्म होने के बाद वापस करना होता है।
- एक मोबाइल सिम दी जाती है, जिसका भुगतान निगम करता है।
- महापौर व स्थायी समिति को कार व चालक की सुविधा मिलती है।
- उप महापौर और नेता सदन व नेता प्रतिपक्ष को यह सुविधा नहीं मिलती।

### दुबई से भारतीय यात्री को किया गया डिपोर्ट, मामला दर्ज

**जासं, नई दिल्ली:** इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आइजीआइ) थाना पुलिस ने एक ऐसे शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसने इमिग्रेशन विभाग को चकमा देकर विदेश जाने की कोशिश की। इस मामले में आरोपित बिपन शर्मा 10 मार्च को ब्राजील जाने के लिए आइजीआइ एयरपोर्ट से रवाना हुआ। उसे दुबई के रास्ते ब्राजील जाना था। लेकिन दुबई पहुंचने पर उसने इटली के वीजा का हवाला देते हुए तय टिकट व रूट को दरकिनार करते हुए स्पेन के रास्ते मैक्सिको जाने की कोशिश की। लेकिन दुबई एयरपोर्ट पर जब वीजा की जांच की गई तो वह फर्जी निकला। इसके बाद उसे वापस भारत डिपोर्ट कर दिया गया। इमिग्रेशन विभाग के अनुसार आरोपित ने भारतीय इमिग्रेशन को झूठ बोला और नकली वीजा पर विदेश जाने की कोशिश की। अब इस मामले में आइजीआइ थाना पुलिस जांच कर रही है।

## काशी में 18 को होली, अन्यत्र 19 को उड़ेगा रंग-गुलाल

**होलिका दहन 17 को, इस बार एक दिन के अंतराल पर मनेगा पर्व, तिथियों के फेर से अंतर, धर्म शास्त्रीय विधान पर भारी परंपरा**

**जागरण संवाददाता, वाराणसी :** तिथियों के फेर से इस बार काशी में होली 18 मार्च को तो देश में अन्यत्र 19 मार्च को मनाई जाएगी। होलिका दहन हालांकि सभी स्थानों पर समान रूप से 17 मार्च को ही किया जाएगा। शास्त्रीय विधान अनुसार होलिका दहन फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा की रात किया जाता है। इसमें प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा में भद्रा रहित रात्रि मान्य होती है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में ज्योतिष विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विनय पांडेय के अनुसार फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा 17 मार्च को दोपहर 1.03 बजे लग रही है, जो 18 मार्च को दोपहर 12.52 बजे तक है। ऐसे में 17 मार्च को भद्रा समाप्ति के बाद रात 12.57 बजे के बाद होलिका दहन किया जाएगा।

धर्म शास्त्र अनुसार होलिका दहन के बाद सूर्योदय काल व्यापिनी चैत्र कृष्ण प्रतिपदा में रंगोत्सव मनाया जाना चाहिए। इस वर्ष प्रतिपदा 18 मार्च को दोपहर 12.53 बजे लग रही है जो 19 मार्च को दोपहर तक है। इस तरह चैत्र कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा उदया तिथि में 19 मार्च को ही मिल रही है। अतः इसी दिन देश भर में होली मनाई जाएगी। हालांकि, काशी में परंपरा को मान दिया गया है जो चतुःषष्ठी यात्रा (चौसठ योगिनी परिक्रमा यात्रा) से जुड़ी है। इसमें प्राचीन काल से होलिका दहन की अगली सुबह इस यात्रा का विधान है। इसमें काशीवासी समूह में ढोल-मंजीरा के साथ गायन करते हुए अबीर-गुलाल उड़ाते चतुःषष्ठी यात्रा करते हैं। अगली सुबह कोई भी तिथि हो, होली मनाई जाती है। अतः काशी में 18 मार्च को होली मनाई जाएगी। इससे इतर अन्य स्थानों पर शास्त्रीय विधान के अनुसार 19 मार्च को उदयातिथि में चैत्र कृष्ण प्रतिपदा मिलने पर होली होगी।

### कुतुब गोल्फ कोर्स में गोल्फ टूर्नामेंट का समापन

**जासं, दक्षिणी दिल्ली:** कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित चार दिवसीय 22वां डीडीए लेफ्टिनेंट गवर्नर गोल्फ कप टूर्नामेंट-2022 कार्यक्रम रविवार को संपन्न हुआ। टूर्नामेंट के विजेता अमित व उपविजेता रणवीर मित्रू रहे, वहीं महिला वर्ग में सोनावी कक्कड़ विजेता तथा हिमाद्री सिंह उप विजेता रहीं। मौके पर मौजूद उपराज्यपाल अनिल बैजल ने विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि लोगों को खेल और शारीरिक व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। प्रतिभागियों की संख्या के मामले में यह टूर्नामेंट देश का सबसे बड़ा गोल्फ टूर्नामेंट है। इस आयोजन के लिए लगभग 850 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया।

### आरबीएल बैंक पर गलत तरीके से वसूली का आरोप

**जासं, दक्षिणी दिल्ली:** वसंत विहार थाने में एक व्यक्ति ने आरबीएल बैंक पर गलत तरह से वसूली कराने का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि आरबीएल बैंक के निर्देश पर एक व्यक्ति बिना अनुमति के कोर्ट का नोटिस देने के बहाने से उनकी संपत्ति में प्रवेश कर गया। पीड़ित को साजिश के तहत फंसाने के लिए उसने झूठी जानकारी देकर पुलिस को भी वहां बुला लिया। आरोपित की पहचान मोहित सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

वसंत विहार निवासी पीड़ित अरविंद सिंह का आरोप है कि आरबीएल बैंक के निर्देश पर आरोपित उनके पास वसूली के लिए आया। पहले भी आरबीएल बैंक की ओर से वसूली के लिए अन्य लोगों को भेजा जा चुका है। आरोपित उनके निवास स्थान पर आकर गुंडागर्दी करते हैं।

## दैनिक जागरण एमएसएमई लीडरशिप अवार्ड समारोह आज

**वि, नई दिल्ली:** दैनिक जागरण एमएसएमई लीडरशिप अवार्ड समारोह का आयोजन सोमवार को बाराखंभा स्थित होटल ललित में शाम सात बजे से होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव होंगे। समारोह सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम (एमएसएमई) उद्यमियों को समर्पित है, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर अपने व्यवसाय को बढ़ाया है।

इनकी सफलता की कहानी कई नए उद्यमियों और युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो खुद का व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं। सभी 25 पुरस्कार विजेताओं ने अपने व्यवसाय में 10 साल से अधिक समय लगाया है। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक सकरनी प्लास्टर, सह प्रायोजक वेंबली पेंट्स और आइसीसी मीडिया हैं।

**केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव होंगे मुख्य अतिथि, बाराखंभा स्थित होटल ललित में शाम सात बजे से आयोजित होगा कार्यक्रम**




### आइपी विवि ने जनगणना कार्य निदेशालय के साथ किया करार

**जासं, पश्चिमी दिल्ली:** आइपी विश्वविद्यालय ने जनसंख्या कार्य निदेशालय के साथ डेटा वर्क स्टेशन स्थापित करने के लिए करार किया है। इस करार के तहत विश्वविद्यालय कैंपस में एक डेटा वर्क स्टेशन बनाया जाएगा, जिसका लाभ छात्रों को मिलेगा।

इस करारनामे पर विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. महेश वर्मा और जनसंख्या कार्य निदेशालय के निदेशक अजय गर्ग ने हस्ताक्षर किए। जनसंख्या कार्य निदेशालय का डेटा देश में सबसे प्रमाणिक माना जाता है। यही वजह है देश के कई चुनिंदा विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थानों ने अपने यहां ऐसे डेटा वर्क स्टेशन स्थापित किए हैं। प्रो. महेश वर्मा ने कहा कि इस करार का फायदा विश्वविद्यालय के दोनों कैंपस व एफ्लीएटेड संस्थान के छात्रों, विशेषकर शोध कर रहे छात्रों को मिलेगा।

**पहल** | एआइएसएससी की बड़ी पहल, निजामुद्दीन दरगाह में साथ आए प्रमुख दरगाहों के सज्जादानशीं

## कट्टरता के खिलाफ दरगाहों से चलेगा सूफी आंदोलन

नेमिष हेमंत ● नई दिल्ली

मुस्लिम समाज में बढ़ती कट्टरता के खिलाफ देशभर की दरगाहों से सज्जादानशीं (मुस्लिम पीर) बाहर निकलेंगे तथा समाज में जाकर अमन-शांति का पैगाम फैलाएंगे। समाज में धर्म के नाम पर फैले भ्रम को दूर करेंगे।

यह अहम और बड़ा फैसला निजामुद्दीन दरगाह इलाके में हुई देशभर के 50 से अधिक प्रमुख दरगाहों के सज्जादानशीं की बड़ी बैठक में लिया गया। यह इस तरह की पहली बैठक है, जिसमें निजामुद्दीन औलिया, अजमेर शरीफ, लखनऊ स्थित शाहमीना दरगाह व हजरत ख्वाजा औरंगाबादी जैसी दरगाहों के प्रमुख शामिल हुए। सभी ने एक स्वर भारत समेत विश्व भर में समाज में बढ़ रही कट्टरता वाली विचारधारा पर चिंता जताई और समाज को निकालने के रास्तों पर गहन चिंतन-मनन किया। इस बैठक में लिए गए निर्णयों को इसलिए जरूरी बताया गया क्योंकि, धर्म और धार्मिक ग्रंथों की गलत व्याख्या कर समाज में टकराव बढ़ाया जा रहा है। इसी तरह इंटरनेट माध्यम से भ्रामक खबरों की आड़ लेकर युवाओं को गुमराह किया जा रहा है। मनमाने फतवों से समाज में जड़ता आ रही है।

वे इसके लिए दरगाहों से बाहर निकलकर समाज के बीच सूफी विचारधारा को बढ़ाएं। तय हुआ कि समाज में इसके लिए गोष्ठियों व बैठकों के साथ ऐसे साहित्यों का वितरण किया जाए। इसके लिए इंटरनेट माध्यमों का भी इस्तेमाल हो।

इसी तरह इसके लिए देशभर में स्थित सभी दरगाहों को साथ लाने व दरगाहों में ही आध्यात्मिक आधारित सूफी विचारधारा की शिक्षा को आगे बढ़ाने वाले केंद्र खोलने पर भी सहमति बनी। यह बैठक आल इंडिया सूफी सज्जादानशीं काउंसिल (एआइएसएससी) के बैनर तले थी, जो तकरीबन चार साल पहले ही अस्तित्व में आया है। विशेष बात कि इसके लिए महिलाओं को आगे लाने पर जोर दिया गया, क्योंकि बच्चों की पहली शिक्षक मां होती हैं। एआइएसएससी के अध्यक्ष व अजमेर दरगाह के उत्तराधिकारी हजरत सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने बताया कि इसके लिए आल इंडिया नेशनल ख्वातिन काउंसिल बनाने का निर्णय लिया गया है। एआइएसएससी दिल्ली के इंजार्च व निजामुद्दीन दरगाह के नायब सज्जादानशीं सैयद फरीद अहमद निजामी ने कहा कि समाज और देश की बात पहले होती है, लेकिन आज समाज में इसके ठीक उलट हो रहा है।



निजामुद्दीन दरगाह के पास एक हाल में सूफी मीट में जुटे देश भर के 50 से अधिक प्रमुख दरगाहों के सज्जादानशीं ● जागरण




********